(ग) सैनिक सहायता से भारत की प्रतिरक्षा शक्ति किन-किन क्षेत्रों में किस हद तक बढ़ी है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्त राव चह्वाण) : (क) तथा (ख) 1962 में चीनी आक्रमण के दौरान तथा पश्चात कई मित्र देशों से अनुदान के आधार पर सहायता की पेशकश की गई थी, और स्वीकार की गई थी । वचन दी गई तथा अद्यतन प्राप्त हो चुकी सप्लाइयों के मूल्य सम्बन्धी सूचना देने वाला एक विवरण मैं सभा के पटल पर रखता हूं। [पुस्तकालय में रखा गया । [देखिये संख्या L. T. 5251/65]

(ग) इन देशों द्वारा दी गई सैनिक सहायता मुख्यतः आयात सामान की अपनी फौरी आवश्यकतायें पूरा करने के लिए प्रयोग में लाई गई हैं। यू० के० और यू० एस० ए० की हालत में इससे सेना के कुछ पर्वतीय डिवीजनों, कुछ परिवहन विमानों, प्रशिक्षण विमानों, सिगनल साज सामान और भारतीय वायु सेना के लिए फालतू पुर्जों तथा सीमा सड़क संगठन के लिए मिट्टी हटाने के साज सामान के लिए सहायता प्राप्त हुई है । इसके अतिरिक्त यू० एस० ए० से हमें एक स्माल आर्म गोली बारूद सन्यन्त्र और स्थैतिक रडारों का साज सामान प्राप्त हुआ है ।

सोवियत संघ तथा अमरीका से सैनिक सहायता

*519. **श्री किशन पटनायक :**
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री रामसेवक यादव :

क्या प्रतिरक्षा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अक्तूबर, 1962 में चीनी आक्रमण के बाद सोवियत संघ तथा अमरीका से कितनी सैनिक सहायता मिली है ; और

(ख) किस विशिष्ट रूप में इसका उपयोग किया गया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्तराव चह्वाण) : (क) तथा (ख) सैनिक सहायता, अनुदान आधार पर, यू० एस० ए० से अक्तूबर, 1962 से प्राप्त है । अब तक उन्होंने 76 करोड़ रुपये के मूल्य की सप्लाई सहायता देने का वचन दिया था । इसमें से लगभग 45 प्रतिशत सितम्बर, 1965 तक प्राप्त हो चुकी थी, जब यू० एस० सरकार ने आगे से सहायता भेजना स्थगित कर दिया । यह सहायता सेना के कुछ पर्वतीय डिवीजनों, परिवहन विमानों, सिगनल साज सामान और भारतीय वायु सेना के लिए फालतू पुर्जे, तथा सीमा सड़क संगठन के लिए मिट्टी हटाने का साज सामान जुटाने के लिए सीमित सहायता के लिए प्रयोग में लाई गई थी । इसके अतिरिक्त यू० एस० ए० से एक गोली बारूद सन्यंत्र भी प्राप्त हुआ था, और स्थैतिक रडार के लिए साज सामान भी ।

यू० एस० एस० आर० से इस देश को उचित ऋण शर्तों पर सैनिक साज सामान सप्लाई किया था, 1962 से पहले भी और पश्चात भी । अधिक विस्तार देना लोकहित में नहीं होगा ।

Use of Anti-Tank Missiles by Pakistan

*520. **Shri Mahesh Dutta Misra**: Will the Minister of **Defence** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that anti-tank missiles were used by the Pakistan forces for the first time in the Lahore sector soon after the American transport planes landed at Lahore airport to take away the American citizens;

(b) whether these American transport planes were under N.A.T.O. command;

(c) whether such missiles were used prior to this date on any other front; and

(d) whether there is any reason to suspect that the transport planes brought the anti-tank missiles to help release the pressure on Pak. forces?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) Government have no report about the use of this weapon in the Lahore Sector prior to the 15th September, 1965, on which day the American transport planes landed at Lahore for evacuation of American citizens.

(b) Government have no information.

(c) No, Sir.

(d) No evidence has come to light which may suggest that the planes were used for bringing in anti-tank missiles.

Execution of American Prisoners-of-War

*521. **Shri Hari Vishnu Kamath:** Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether the South Vietnam Government recently lodged a protest with the International Control Commission in Vietnam against the alleged execution of American prisoners-of-war by the Vietcong;

(b) whether the said execution did in fact take place;

(c) if so, the reaction of the I.C.C. to the execution of prisoners-of-war as well as to the South Vietnam Government's protest; and

(d) what further action, if any, has been taken in the matter?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) It may be presumed that the alleged execution took place as it was announced over the radio and in the press.

(c) and (d). The International Commission has not yet announced its decision on the South Vietnamese Government's request. In the normal course, the decisions of the International Control Commission are communicated to the Co-Chairmen in its periodical reports.

पूर्वी पाकिस्तान में आन्दोलन

*522. श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री बासप्पा :

क्या वैदेशिक-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वी पाकिस्तान में स्वतन्त्रता के लिए बड़ा आन्दोलन हुआ है ;

(ख) क्या पूर्वी पाकिस्तान के निवासियों ने भारत सरकार से समर्थन मांगा है ; और

(ग) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) ऐसी कुछ खबरें हैं जिनसे यह संकेत मिलता है कि पूर्व पाकिस्तान में स्वतन्त्रता की भावना जोर पकड़ती जा रही है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Gurantee against Nuclear Threat

*523. **Shrimati Tarkeshwari Sinha:**
Shri Harish Chandra Mathur:
Shri D. C. Sharma:
Shri R. S. Pandey:
Shri Rajeshwar Patel:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether he has taken note of repeatedly publicised U.S. and U.K. thinking and re-thinking for providing a guarantee to India against nuclear threat and blackmail by those that have atomic weapons;